an>

Title : Regarding adverse impact of air pollution on children in the country.

डॉ. वीरेन्द्र कुमार (टीकमगढ़) : माननीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे अति लोक महत्वपूर्ण विषय को सदन में उठाने की अनुमति दी है, इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। देश के महानगरों में पर्यावरण के प्रदूषित होने से बच्चों के फेंफड़े खराब हो रहे हैं। देश के चार महानगरों में रहने वाले करीब 35 प्रतिशत स्कूली बच्चों के फेंफड़े दूषित हवा से खराब हो रहे हैं। दिल्ली, मुंबई, कोलकाता व बैंगलुरु के 2373 स्कूली बच्चों पर हुए सर्वे से पता चला है कि इसमें दिल्ली के सर्वाधिक बच्चे शामिल हैं जिनकी संख्या 735 है। सर्वे में सामने आया है कि दिल्ली के 60 प्रतिशत स्कूली बच्चों के फेंफड़े ही स्वस्थ हैं जबकि 40 प्रतिशत स्कूली बच्चों के फेंफड़े बहुत ही खराब है। हील फाउंडेशन ब्रीद ब्लु व क्लीन एयर इण्डिया मूवमेंट की ओर से सर्वे में 10 से 14 वर्ष में 2373 बच्चों को शामिल किया गया। इसमें दिल्ली के 735 बच्चे, मुंबई के 573, बैंगलुरु के 503 और कोलकाता के 562 बच्चे शामिल थे। मार्च-अप्रैल 2015 में हुए इस अध्ययन के बाद रिपोर्ट आई कि दिल्ली में 21 प्रतिशत बच्चों के फेंफडों की क्षमता बहुत खराब है। बैंगलुरु में 36 प्रतिशत, कोलकाता में 35 प्रतिशत और मुंबई में 27 प्रतिशत स्कूली बच्चों के फेंफड़ों पर असर पड़ रहा है। पीक फ्लो मीटर की मदद से सर्वे किया गया है और इससे पता चला है कि फेंफड़ा कितनी हवा नियंत्रित कर सकता है। इससे इस बात का भी पता चलता है कि फेंफड़ा कितनी तेजी से हवा को अंदर-बाहर स्थानान्तरित कर सकता है। ये आंकड़े काफी चिंताजनक हैं और इस लिहाज से यह जरूरी हो गया है कि हवा को स्वच्छ बनाने की दिशा में गंभीरता से काम किया जाए और 'स्वच्छ भारत' अभियान के अंतर्गत स्वच्छ हवा अभियान को जोर शोर से चलाया जाए।

मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि देश के सभी शासकीय और प्राइवेट स्कूलों में अध्ययन करने वाले स्कूली बच्चों के पहले जो स्वास्थ्य कैम्प लगाए जाते थे, उनको फिर से प्रारंभ कराकर बच्चों के कल को सुरक्षित बनाने के लिए चिकित्सा के उचित प्रबंधन कराने के लिए शीघ्र कार्यवाही करें।

माननीय अध्यक्ष:

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

श्री देवजी एम. पटेल,

श्री निशिकान्त दुबे,

श्री एम.बी. राजेश,

श्री पी.के. बिजू,

श्रीमती पी.के. श्रीमथि टीचर,

कुमारी शोभा कारान्दलाजे,

श्री सुनील कुमार सिंह,

श्री पी.पी. चौधरी, को डॉ. वीरेन्द्र कुमार द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।